**अत्यतं गोपनीय - केवल आतंरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु**

# सीनियर स्कूल सर्टिफिकेट परीक्षा - 2020

## अंक-योजना HISTORY

**SUBJECT CODE : 027 PAPER CODE : 61/1/3**

**सामान्य निर्देश :-**

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न ( √ ) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि ( √) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देता है।

# MARKING SCHEME HISTORY-027

## CLASS XII A I S S C E-March 2020

## CODE NO. 61/1/3

| Q.NO. | अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक | PAGE NO. | MARKS |
|---|---|---|---|
| | **SECTION-A** | | |
| 1. | **C**- ब्राह्मी और खरोष्ठी | Pg-28 | 1 |
| 2. | भिखुणी<br><br>अथवा<br><br>अपने अनुयायियों को बुद्ध का अंतिम संदेश था-"तुम सब अपने लिए खुद ही ज्योति बनो क्योंकि तुम खुद ही अपनी मुक्ति का रास्ता ढूँढना है | Pg-92<br><br>Pg-92 | 1<br><br>1 |
| 3. | **C**- I और III | Pg-94 | 1 |
| 4. | मथुरा (भगवान महावीर) से तीर्थंकर की छवि<br><br>दृष्टिबाधितों के लिए: सुत्त पितक | Pg-88<br><br>Pg-91 | 1<br><br>1 |
| 5. | **C**- शुभ चिन्ह | Pg-101 | 1 |
| 6. | **D**- इसकी लिखाई आज तक पढ़ी नहीं जा सकी है. | Pg-15 | 1 |
| 7. | **D**- पुरा वनस्पतिज्ञो | Pg-2 | 1 |
| 8. | गुरु रामानंद<br><br>अथवा<br><br>बसवण्णा | Pg-162<br><br>Pg-147 | 1<br><br>1 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| 9. | (**A**) I, III  औरं IV | Pg-233 | 1 |
| 10. | (**D**) औरंगजेब | Pg-234 | 1 |
| 11. | गुरु गोबिंद सिंह | Pg-164 | 1 |
| 12. | (**A**)- दोनों (A) और (R) सही हैं और(A) ,(R) सही स्पष्टीकरण है। | Pg-130 | 1 |
| 13. | (**A**) यह पुस्तक फारसी में लिखी गई है। | Pg-118 | 1 |
| 14. | मीराबाई | Pg-164 | 1 |
| 15. | शिव | Pg-144 | 1 |
| 16. | (**C**) स्वतंत्र भारत के लिए उपयुक्त राजनितिक स्वरुप सुझाने के लिए | Pg-389 | 1 |
| 17. | **अगस्त 1946 में मुस्लिम लीग द्वारा  प्रयतक्ष कार्यवाही दिवस   ’की घोषणा करने का कारण**-, कैबिनेट मिशन से अपना समर्थन वापस लेने के बाद अपनी पाकिस्तान की माँग को जीतना था। | Pg-391 | 1 |
| 18. | (**B**) क्रिप्स मिशन | Pg-363 | 1 |
| 19. | (**C**) I, III  औरं IV | Pg-425 | 1 |
| 20. | (**C**) गोविंद बल्लभ पंत | Pg-418 | 1 |
| | **SECTION-B** | | |
| 21. | **<u>विशाल स्नानगार</u>**<br>i. विशाल स्नानगार  आँगन में बना एक विशाल आयातकार जलाशय था  जो गलियारों से चारो तरफ से घिरा था<br>ii. जलाशय में जाने के लिए उत्तर और दक्षिण में | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | सीढिया बनी थी<br>iii. जलाशय के किनारो को ईटों को जमाकर जल बद्ध किया गया था<br>iv. इसके चारों और कक्ष बने हुए थे जिस पास कुआं था<br>v. जलाशय से पानी नाले में जाता था.<br>vi. गलियारे के दोनों ओर अन्य स्नानगार थे।<br>vii. <u>कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।</u><br><u>किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए</u> | Pg-8 | 3 |
| 22. | **भारतीय संचार प्रणाली पर इब्न बतूता के विचार**:<br>i. संचार की प्रणाली अद्वितीय थी।<br>ii. डाक प्रणाली दो प्रकार की थी- घोड़ों की चौकी जिसे उलुग कहा जाता था और पाँव की चौकी को दावा कहा जाता था। दावा घोड़े की तुलना में तेज था।<br>iii. व्यापारियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष उपाय किए गए थे।<br>iv. मार्गों को सराय से थी।<br>v. डाक प्रणाली भी बहुत कुशल और तेज थी।<br>vi. जासूसों की खबरें सिंध से दिल्ली तक केवल पांच दिनों में डाक प्रणाली के माध्यम से सुल्तान तक पहुंच जाती | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | थी<br>vii. डाक प्रणाली जिसने व्यापारियों को न केवल सूचना भेजने और लंबी दूरी पर भेजने की अनुमति दी।<br>viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या की जाए। | Pg-129 | 3 |
| 23. | **1857 के बाद औपनिवेशिक शहर**-<br>i. 1857 के बाद भारत में ब्रिटिश रवैया विद्रोह के लगातार डर से आकार ले रहा था।<br>ii. गोरे लोगों को अधिक सुरक्षित और अलग क्षेत्रों में रहने की जरूरत थी।<br>iii. गोरे लोगों के लिए सिविल लाइन विकसित हुई।<br>iv. सैनिकों को तैनात करने के लिए कैंटोनमेंट बनाए गए थे।<br>v. भारतीयों के लिए अलग क्षेत्र सामने आया।<br>vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किसी भी तीन बिंदुओं की जांच की जानी चाहिए<br>**अथवा**<br>**दक्षिण भारत के शहर- मुख्य विशेषताएं**-<br>i. मदुरई और कांचीपुरम जैसे दक्षिण भारत के शहरों में, मुख्य ध्यान मंदिर था।<br>ii. ये शहर महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्र भी थे। | Pg-326-327<br><br>Pg-318- | 3<br><br>3 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | iii. यहाँ धार्मिक त्योहार अक्सर मेलों को व्यापार के साथ तीर्थ यात्रा से जोड़ते हैं।<br>iv. शहर वे स्थान थे जहाँ हर किसी को शासक कुलीन वर्ग के वर्चस्व वाले सामाजिक व्यवस्था में अपनी स्थिति जानने की उम्मीद थी।<br>v. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किसी भी तीन बिंदुओं की जांच की जानी चाहिए | 319 | |
| 24. | **गांधीजी: एक समाज सुधारक के रूप में**<br>i. गांधीजी ने अस्पृश्यता के उन्मूलन के लिए काम किया।<br>ii. उन्होंने बाल विवाह के खिलाफ वकालत की।<br>iii. उन्होंने हिन्दू- मुस्लिम एकता के लिए प्रचार किया।<br>iv. वह चाहते थे कि भारतीय आत्मनिर्भर बनें।<br>v. उन्होंने खादी को बढ़ावा दिया।<br>vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>वर्णित किए जाने वाले तीन बिंदु। | Pg-365 | 3 |
| | **SECTION-C** | | |
| 25. | **विवाह के नियम:**<br>i. वंश को जारी रखने के लिए बेटों को महत्वपूर्ण माना जाता था और बेटियों की शादी बाहर की जाती थी और घर के संसाधनों पर उनका कोई दावा नहीं था।<br>ii. बहुविवाह भी होता था।<br>iii. बहुपतित्व- जैसे पांडवों में था।<br>iv. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों ने विवाह के आठ रूपों को मान्यता | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | दी, जिनमें से केवल चार को ही अच्छा माना गया।<br>v. लड़कियों की शादी सही समय पर सही व्यक्ति से की जाती थी और कन्यादान को पिता का धार्मिक कर्तव्य माना जाता था।<br>vi. महिलाओं से अपेक्षा की गई थी कि वे अपने पिता के गोत्र को त्याग दें और विवाह पर अपने पति को गोद लें।<br>vii. उसी गोत्र के सदस्य विवाह नहीं कर सकते थे।<br>viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>ix. किन्हीं चार बिंदुओं का वर्णन<br>**<u>अथवा</u>**<br>**<u>600BCE-600CE के दौरान पारिवारिक संबंध:</u>**<br>i. परिवार आमतौर पर बंधुत्व  का हिस्सा थे।<br>ii. यह बंधुत्व  माना जाता था, रक्त पर आधारित था।<br>iii. बंधुत्के एक दूसरे के साथ संबंध थे लेकिन कभी-कभी वे झगड़ा करते थे।<br>iv. कौरवों और पांडवों के झगड़े ने  के विचार को मजबूत किया। संसाधनों और सिंहासन का दावा कर सकता है।<br>i. रक्त के आधार पर पारिवारिक संबंध स्वाभाविक थे।<br>ii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किन्हीं  दो बिंदुओं का वर्णन | Pg-55, 57-58 | 4+4=8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **विवाह के नियम:**<br><br>i. विवाह के प्रकार - अंत विवाह , बहि बिवाह.बहुपत्नी विवाह ,बहुपति विवाह का पालन किया गया।<br><br>ii. कन्यादान या विवाह में बेटी का उपहार पिता का एक महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य माना जाता था।<br><br>iii. महिलाओं के गोत्र - महिलाओं से अपेक्षा की जाती थी कि वे अपने पिता के गोत्र को त्याग दें और अपने पति के विवाह पर उसे अपना लें।<br><br>iv. उसी गोत्र के सदस्य विवाह नहीं कर सकते थे।<br><br>v. प्रत्येक गोत्र का नाम एक वैदिक द्रष्टा के नाम पर रखा गया था।<br><br>vi. मातृसत्तात्मक समाज - सातवाहनों में माताओं के गोत्र से प्राप्त नाम थे।<br><br>vii. बहुविवाह भी होता था।<br><br>viii. बहुपतित्व- जैसे पांडवों में था।<br><br>ix. धर्मसूत्रों और धर्मशास्त्रों ने विवाह के आठ रूपों को मान्यता दी, जिनमें से केवल चार को ही अच्छा माना गया।<br><br>x. कन्यादान को पिता का धार्मिक कर्तव्य माना जाता था।<br><br>xi. उसी गोत्र के सदस्य विवाह नहीं कर सकते थे।<br><br>xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br><br>दोनों को मिला कर किन्हीं चार बिंदुओं का वर्णन | Pg-55, 56, 60-65,68 | 2+2+4=8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **अथवा**<br><br>**बंधुत्व**<br><br>i. परिवार आमतौर पर बंधुत्व का हिस्सा थे।<br><br>ii. यह बंधुत्व माना जाता था, रक्त पर आधारित था।<br><br>iii. बंधुत्के एक दूसरे के साथ संबंध थे लेकिन कभी-कभी वे झगड़ा करते थे।कौरवों और पांडवों के झगड़े ने के विचार को मजबूत किया।संसाधनों और सिंहासन का दावा कर सकता है।<br><br>iv. बंधुत्के एक दूसरे के साथ संबंध थे लेकिन कभी-कभी वे झगड़ा करते थे।<br><br>v. कौरवों और पांडवों के झगड़े ने के विचार को मजबूत किया। संसाधनों और सिंहासन का दावा कर सकता है।<br><br>vi. रक्त के आधार पर पारिवारिक संबंध स्वाभाविक थे।<br><br>vii. विवाह के प्रकार - अंत विवाह , बहि बिवाह.बहुपत्नी विवाह ,बहुपति विवाह का पालन किया गया।<br><br>viii. कन्यादान या विवाह में बेटी का उपहार पिता का एक महत्वपूर्ण धार्मिक कर्तव्य माना जाता था।<br><br>v. महिलाओं के गोत्र - महिलाओं से अपेक्षा की जाती थी कि वे अपने पिता के गोत्र को त्याग दें और अपने पति के विवाह पर उसे अपना लें।<br><br>vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। | Pg-55, 56, 60-65,68 | 2+2+4=8 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | किन्हीं चार बिंदुओं का वर्णन<br><br>**वर्ण व्यवस्था**<br>i. धर्मसूत्र और धर्मशास्त्रों में आदर्श व्यवसाय के बारे में नियम थे।<br>ii. ब्राह्मणों को वेदों का अध्ययन और शिक्षा देना, बलिदान और अनुष्ठान करना, उपहार देना और प्राप्त करना था।<br>iii. क्षत्रिय युद्ध में शामिल होते थे, लोगों की रक्षा करते थे और न्याय करते थे, वेदों का अध्ययन करते थे, बलिदान देते थे और उपहार देते थे।<br>iv. वैश्य व्यापार, कृषि और देहाती धर्म को निभाना था, बलिदान प्राप्त करना और उपहार देना था।<br>v. शूद्रों को राजकीय कार्य करने और तीन उच्च वर्णों की सेवा करनी थी।<br>vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किन्हीं चार बिंदुओं का वर्णन<br>**यह सिद्ध करने के लिए कि इस सिद्धांत का सार्वभौमिक रूप से पालन नहीं किया गया था**:<br>i. गैर क्षत्रिय राजा- वर्ण व्यवस्था के आदर्श पेशों के विपरीत।शूंग और कण्व ब्राह्मण थे।<br>ii. कुछ सातवाहन रानियों ने विवाह के बाद भी अपने पिता के गोत्र | | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | को बरकरार रखा।<br>iii. सातवाहन शासकों में एंडोगैमी के उदाहरण पाए गए।<br>iv. हिडिम्बा के साथ भीम का विवाह धर्मसूत्रों से अलग था।<br>वाकाटक रानी प्रभाती गुप्ता द्वारा भूमिदान देने का प्रचलन<br>v. एकलव्य को तीरंदाजी कौशल प्राप्त करना<br>vi. मंडसोर शिलालेख आदर्श व्यवसाय के नियमों से विचलन का एक उदाहरण है।<br>vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (4) | | |
| 26. | **विजयनगर का चरमोत्कर्ष**<br>i. शासक कृष्णदेव राय एक सक्षम शासक थे।<br>ii. उसने अपने साम्राज्य का विस्तार किया।<br>iii. उसने उड़ीसा के शासकों को अपने अधीन कर लिया।<br>iv. उन्होंने बीजापुर के सुल्तानों को भी पराजित किया।<br>v. उनका राज्य युद्ध की निरंतर तैयारियों में बना रहा, लेकिन शांति बनी रही।<br>vi. राजा ने मंदिर भी बनवाए।<br>vii. उन्होंने विजयनगर के पास एक उपनगरीय बस्ती की स्थापना की जिसे नागालपुरम कहा जाता है।<br>viii. व्यापार भी फला-फूला।<br>कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किसी भी चार बिंदुओं की जांच की जाएगी। | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **विजयनगर का पतन:**<br>i. कृष्णदेव राय की मृत्यु के बाद पतन दिखाई दी।<br>ii. उनके उत्तराधिकारी विद्रोही नायक या सैन्य प्रमुखों से परेशान थे।<br>iii. सैन्य नायक महत्वाकांक्षी हो गए।<br>iv. 1565 में विजयनगर के मुख्यमंत्री ने सेना का नेतृत्व तालिकोटा और गोलकुंडा में किया।<br>v. सुल्तानों की संयुक्त सेना ने विजयनगर की सेना को भगाया।<br>vi. विजयनगर शहर के विनाश के लिए सुल्तानों की सेनाएँ जिम्मेदार थीं।<br>vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किसी भी चार बिंदुओं की जांच की जाएगी। | Pg-173 | 4+4=8 |
| | अथवा<br>**अमारा-नायक प्रणाली**:<br>i. अमारा-नायक प्रणाली विजयनगर साम्राज्य का एक नवाचार थी।<br>ii. अमारा-नायक सैन्य प्रमुख थे और कर एकत्र करते थे।<br>iii. उन्हें शासन करने और कर एकत्र करने के लिए क्षेत्र दिया गया था। | Pg-173,175 | 5+3=8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | iv. उन्होंने व्यक्तिगत उपयोग के लिए राजस्व का हिस्सा दिया जाता था<br>v. प्रतियोगियों ने विजयनगर के राजा को प्रभावी युद्ध बल प्रदान किया।<br>vi. अमरा-नायक ने प्रतिवर्ष व्यक्तिगत रूप से पेश<br>vii. राजा को  भेंट देते थे<br>viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किसी भी पांच बिंदुओं की जांच की जानी चाहिए।<br><br>**कृष्णदेव राय की मृत्यु के बाद अमर-नायक प्रणाली की भूमिका:**<br>i. कृष्णदेव की मृत्यु के बाद, राया नायक ने अपने उत्तराधिकारियों के खिलाफ विद्रोह कर दिया।<br>ii. कई अमरा-नायक ने स्वतंत्र राज्यों की स्थापना की।<br>iii. इससे विजयनगर राज्य का पतन हो गया।<br>iv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किसी भी तीन बिंदुओं की जांच की जानी चाहिए | | |
| 27. | **अमरीकी गृह युद्ध ने दक्कन  के रयतों  के जीवन को प्रभावित किया**<br><br>i. 1861 में अमेरिकी गृहयुद्ध छिड़ गया<br>ii. कच्चे कपास का आयात अमेरिका से हुआ।<br>iii. बंबई में कपास की कीमतें बढ़ गईं और व्यापारियों ने ब्रिटिश मांग को पूरा करने के लिए जितना संभव हो सके कपास  की | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | फसल को बढ़ाने का प्रयास किया।<br>iv. अंग्रेज तब दक्कनबॉम्बे की ओर बढ़े।<br>v. बढ़ते ऋण की वजह से दक्कन में दंग<br>vi. प्रत्येक एकड़ के लिए 100 अग्रिम राशि कपास की फसल के लिए दी गयी<br>vii. साहूकार दीर्घकालिक ऋण देने को तैयार थे।<br>viii. बंबई-दक्कन में कपास उत्पादन का विस्तार हुआ।<br>ix. अमीर किसानों को फायदा हुआ लेकिन बहुसंख्यक सीमांत भारी कर्ज में डूब गए।<br>x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br>किसी भी आठ बिंदुओं का मूल्यांकन किया जाना है। | Pg-280-283 | 8 |
| | अथवा<br>**पांचवीं रिपोर्ट के मुख्य पहलू:**<br>i.1813 में ब्रिटिश संसद को सौंपी गई रिपोर्टों की यह पाँचवीं श्रृंखला थी।<br>ii. यह ईस्ट इंडिया कंपनी के प्रशासन और गतिविधियों पर एक रिपोर्ट थी।<br>iii यह 1002 पृष्ठों में चला गया जिसमें 800 पृष्ठ परिशिष्ट थे।<br>iv.इसने रैयतों और जमींदारों की याचिकाओं को पुन: प्रस्तुत किया।<br>v.इसमें विभिन्न जिलों के कलेक्टरों की रिपोर्टें भी थीं।<br>vii. इसमें राजस्व और न्यायिक राजस्व और बंगाल और न्यायिक प्रशासन और अधिकारियों द्वारा लिखित मद्रास पर सांख्यिकीय | Pg-263-264 | 8 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | तालिकाएँ हैं।<br>viii. इस रिपोर्ट का चयन एक प्रवर समिति द्वारा किया गया था।<br>ix. यह भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन की प्रकृति पर गहन संसदीय बहस का आधार बन गया।<br>x. इस रिपोर्ट ने पारंपरिक जमींदारी शक्ति के पतन को अतिरंजित किया और उस पैमाने को भी कम कर दिया जिस आधार पर जमींदार अपनी जमीन खो रहे थे।<br>xi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु।<br><br>किसी भी आठ बिंदुओं का मूल्यांकन किया जाना है। | | |
| | **SECTION-D** | | |
| 28. | **<u>विद्रोही ग्रामीण</u>**<br><br>**<u>30.1 इन ग्रामीणों से निपटने में अंग्रेजों के सामने आने वाली समस्या की जाँच करें।</u>**<br>उत्तर:<br>i. अंग्रेजों को ग्रामीणों से निपटने में बहुत समस्या का सामना करना पड़ा। वे ब्रिटिश अधिकारियों को देखकर दूर चले जाते थे।<br>ii. उन्होंने बंदूकों के साथ बड़ी संख्या में फिर से एकत्र किया।<br>**(2)**<br><br>**<u>३०.२अवध) के लोग अंग्रेजों के खिलाफ क्यों थे?</u>**<br>उत्तर:<br>i. अवध के लोग शत्रुतापूर्ण थे क्योंकि अवध के राजा को अंग्रेज़ों ने निष्कासित कर दिया था<br>ii. लोकप्रिय राजा वाजिद अली शाह को कलकत्ता में निर्वासित | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | और निर्वासित कर दिया गया था।<br>**iii.** विघटन के साथ कई लोगों ने अपनी आजीविका खो दी। **(2)**<br><br>**30.3 अंग्रेजों ने विद्रोहियों का दमन कैसे किया?**<br>उत्तर:<br>i. विद्रोहियों को वश में करने के लिए अंग्रेजों ने दमनकारी उपायों को पूरी ताकत से अंजाम दिया। उत्तर भारत में मार्शल लॉ लागू किया गया।<br>ii. कानून और व्यवस्था की साधारण प्रक्रियाओं को निलंबित कर दिया गया था और विद्रोह के लिए सजा मृत्यु थी।<br>**iii.** विद्रोही जमींदारों को हटा दिया गया और वफादार को पुरस्कृत किया **गया।** | Pg- 296, 297, 305, 306 | 2+2+2=6 |
| 29. | **सम्राट के अधिकारी की क्या क्या कार्य करते थे**<br><br>**28.1 सम्राट के अधिकारियों को किस उद्देश्य से नियुक्त किया गया था?**<br>उत्तर: राजा के अधिकारियों को नियुक्त किया गया था<br>i. लोगों की सेवा करने के लिए, विभिन्न प्रकार की नौकरियों की देखरेख या देखभाल करना।<br>ii. लोगों पर प्रशासनिक नियंत्रण के लिए। (2)<br><br>**अधिकारीयों द्वारा किये गए व्यवसाय के प्रकारो को स्पष्ट कीजिये**<br>**उत्तर:**<br>i. कुछ अधिकारियों ने नदियों को अधीक्षण दिया। | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | ii. कुछ ने जमीन की पैमाइश की।<br>iii. iii। कुछ ने निरीक्षण किया जिसके द्वारा नहरों से पानी छोड़ा जाता है।<br>iv. कुछ तो शिकारियों के आवेश थे।<br>v. अन्य लोगों ने कर एकत्र किए।<br>vi. जमीन से जुड़े कुछ अधीक्षण व्यवसाय।<br>(किसी भी दो बिंदुओं को समझाया जाए) (2)<br><br>**<u>कर्मचारियों के कार्यों का निरिक्षण करने की क्या आवश्यकता थी थी?</u>**<br>उत्तर:<br>i. उन पर नियंत्रण रखने के लिए काम करने वालों का काम अधीक्षक को करना आवश्यक था।<br>ii. उनके काम को विनियमित करने के लिए। (2)<br><br>1. | Pg-34 | 2+2+2=6 |
| 30. | **<u>अकबर के शासन में भूमि का वर्गीकरण</u>**<br><br>**चाछर भूमि तीन से चार वर्ष तक खली क्यों छोड़ी जाती थी <u>?</u>**<br>**<u>Ans:</u>** चचेर भूमि को तीन से चार वर्षों के लिए अवाप्त किया गया था ताकि<br>i. यह इस अवधि के भीतर अपनी प्रजनन क्षमता वापस पा सकता है।<br>**ii.** इससे उसकी ताकत ठीक हो सकती है। (2)<br><br>**<u>29.2 इस वर्गीकरण का आधार स्पष्ट कीजिए।</u>**<br>उत्तर: वर्गीकरण पर आधारित था<br>i. भूमि की उर्वरता।<br>ii. प्रतिवर्ष खेती की जाने वाली मिट्टी की क्षमता या नहीं। (2) | | |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | **29.3 क्या आपको लगता है कि राजस्व का आकलन करने के लिए यह एक ठोस आधार था?**<br>उत्तर:<br>i. यह वर्गीकरण भूमि के प्रकार और उत्पादकता के अनुसार तय किए गए राजस्व का आकलन करने के लिए उचित लगता है।<br>ii. इसने काश्तकारों के लिए राजस्व का भुगतान आसान बना दिया।<br>(2) | Pg-214 | 2+2+2=6 |
| | **SECTION-E** | | |
| 31. | **Map based work**<br>**मानचित्र आधारित कार्य**<br>31.1 भरा हुआ नक्शा संलग्न है<br>31.2 भरा हुआ नक्शा संलग्न है<br><br>**नेत्रहीन परीक्षार्थियों के लिए:**<br>31.1 बारडोली, चौरी-चौरा, चंपारण, दांडी, अमृतसर, बंबई, कलकत्ता, खेड़ा, अहमदाबाद, बनारस, लाहौर, कराची।<br><br>दी गई सूची से कोई भी तीन केंद्र।)<br><br>**अथवा**<br><br>मगध, वज्जि, कोशल, पांचला, कुरु, गांधार, अवंति, राजगीर, उज्जैन, तक्षशिला, वाराणसी (काशी)।<br><br>(सूची से कोई भी तीन केंद्र।) | | 1x6=6<br><br>1x3<br>1x3<br><br>1x3<br><br>1x3 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| | 31.2 सांची, अजंता, लुम्बिनी, बोध गया, सारनाथ, भरहुत, नागार्जुनकोंडा, अमरावती, नासिक।<br>(दी गई सूची से कोई भी तीन ) | | 1x3 |
| | 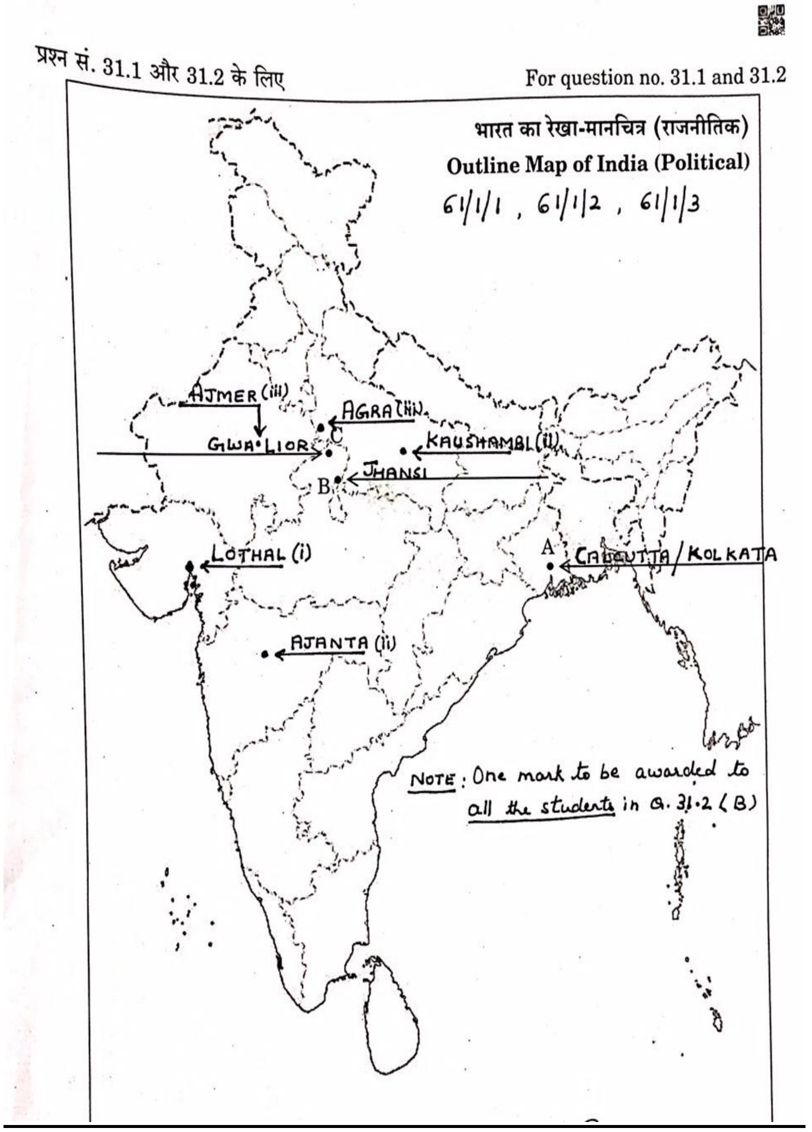<br> | | |